VueNow

NEWSLETTER

JUNE 7, 2023 www.vuenowonline.com

उत्तरप्रदेश में भविष्य के नए अवसरों की नींव मजबूत करता व्यूनाऊ

उत्तर प्रदेश, जहां बसते हैं 23 करोड़ लोग। यानी भारत की कुल अनुमानित 141 करोड़ की आबादी का लगभग छठा भाग।

इतनी बड़ी आबादी की आईटी और संचार की जरूरत पूरी करने के लिए बहुत बड़े बुनियादी ढांचे की जरूरत है। सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी विकास के साथ यह मांग लगातार बढ़ रही है हालांकि मांग की तुलना में उपलब्धता बहुत कम है।

एक अनुमान के मुताबिक देश भर के डेटा में से 20 प्रतिशत केवल उत्तर प्रदेश से ही जेनरेट होता है। जबकि सिर्फ 2 प्रतिशत आईटी बुनियादी ढांचा ही इस सबसे बड़े राज्य में उपलब्ध है। व्यूनाऊ ग्रुप मांग और उपलब्धता के इस अंतर को पाटने और लगातार बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए राज्य भर में एज डेटा सेंटरों का एक अत्याधुनिक नेटवर्क बना रहा है।

व्यूनाऊ समूह ने इस बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए प्रदेश में 13,500 करोड़ रुपये (1.63 बिलियन डॉलर) के निवेश करने की योजना बनाई है।

इसके लिए कंपनी ने राज्य सरकार के साथ करार भी किया है। जिसके तहत अगले कुछ वर्षों में ब्लॉक स्तर पर 4 से 8 रैक के 750 एज डेटा सेंटर और 500 रैक के 2, टियर 4 स्तर के डेटा सेंटर बनाने का लक्ष्य है। एज डेटा सेंटरों का ये नेटवर्क दूरदराज के क्षेत्रों में भी हाई-स्पीड इंटरनेट, क्लाउड सर्विस और अन्य सभी प्रकार की आईटी सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। इसके अतिरिक्त, टियर 4 स्तर पर डेटा सेंटर बड़े पैमाने पर डेटा स्टोरेज और प्रोसेसिंग के लिए एक सुरक्षित और विश्वसनीय प्रणाली उपलब्ध कराएंगे।

व्यूनाऊ एज डेटा सेंटर और डेटा सेंटर बनाने के लिए पर्यावरण अनुकूल उत्पादों और ऊर्जा-कुशल तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। पूरा होने पर यह बुनियादी ढांचा न केवल व्यवसायों बल्कि आबादी के सबसे बड़े भाग को बेहतर स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराने में सहायक होगा। कुल मिलाकर, यह राज्य में विकास और आर्थिक तरक्की का मार्ग प्रशस्त करेगा जिससे निश्चित रूप से लोगों के जीवन स्तर में बड़ा सुधार होगा। सूचना प्रौद्योगिकी के इस विकास से राज्य की अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं में सकारात्मक बदलाव आना तय है। व्यवसाय और व्यक्तिगत उपयोगकर्ता बेहतर नेटवर्क कनेक्टिविटी के साथ अधिक विश्वसनीय और कुशल आईटी सेवाओं का उपयोग कर पाएंगे जिससे उत्पादकता बढ़ेगी। इसके परिणामस्वरूप नए अवसर पैदा होंगे, रोजगार दर में सुधार होगा और आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। यह निवेश को आकर्षित करने में सहायक होगा जिससे आगे आर्थिक विकास होगा।

व्यूनाऊ ग्रुप के निदेशक वी सी रॉय के अनुसार इस महत्वाकांक्षी योजना से राज्य में बेहतर कनेक्टिविटी और बेहतर डेटा प्रोसेसिंग क्षमताओं का विकास होगा। इससे आम लोगों और कारोबारों के लिए जरूरी आईटी बुनियादी ढांचा उपलब्ध होगा। व्यवसायों के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा होंगी जिससे निवेश के अवसर बढ़ेंगे जो नए रोजगार सृजित

करेगा और प्रदेश का संपूर्ण विकास बहुत तेजी से होगा।

गाजियाबाद और नोएडा में हमारी ईडीसी और को-लोकेशन सर्विस शुरू हो चुकी है। इसके साथ ही रायबरेली, अयोध्या, गोरखपुर, सीतापुर, लखनऊ और बनारस में भी एज डेटा सेंटर का निर्माण प्रगति पर है। ये सभी एज डेटा सेंटर इस साल के अंत तक शुरू हो जाएंगे। आने वाले चार सालों में सभी 750 एज डेटा सेंटर के साथ 2, टियर 4 डेटा सेंटर पूरे हो जाएंगे और पूरी तरह काम करने लगेंगे।

व्यूनाउ के एज डेटा सेंटर अत्याधुनिक तकनीक से लैस हैं। इन्हें डाटा की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने के साथ ही पर्यावरण के अनुकूल बनाया गया है। इन्हें इस तरह से डिजाइन किया गया है कि ये सामान्य से 40 फीसदी कम बिजली की खपत करते हैं, जिससे इनका कार्बन फुटप्रिंट भी उल्लेखनीय रूप से कम होता है। इसके अलावा, डेटा केंद्र बैकअप जनरेटर से भी लैस हैं जो निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं। यह सुनिश्चित करता है कि इन केंद्रों में संग्रहीत डेटा हमेशा उपलब्ध और सुरक्षित रहता है। इसके अलावा, डेटा केंद्र पूरी तरह स्केलेबल हैं और जरूरत के मुताबिक इनका विस्तार किया जा सकता है। इनमें व्यवसायों और संगठनों की बढ़ती जरूरतों को आसानी से पूरा करने की पूरी क्षमता है।

वीसी रॉय ने बताया कि सभी एज डेटा सेंटर अंतिम उपयोगकर्ताओं के नजदीक बेहद रणनीतिक स्थानों पर होंगे। इन्हें मल्टी-लेयर सुरक्षा और रिकवरी सुविधाओं के साथ वैश्विक मानकों का पालन करते हुए बनाया जा रहा है।

व्यूनाऊ के डेटा सेंटर में सर्वश्रेष्ठ हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया जा रहा है जो बिजली कम खपत करते हैं। इसके अलावा एज डेटा सेंटर को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि 40% बिजली रिन्यूएबल यानी अक्षय ऊर्जा से ली जाएगी। भरपूर कनेक्टिविटी के साथ यह व्यूनाऊ का एज डेटा सेंटर नेटवर्क हर प्रकार की आईटी जरूरतें के लिए वन स्टॉप सॉल्यूशन हैं।

व्यूनाऊ ने पकड़ी रफ्तार - ईडीसी के लिए लखनऊ, अकबरपुर और बनारस में भूमि अधिग्रहण

व्यूनाऊ उत्तर प्रदेश में 750 एज डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए मिशन मोड में बढ़ रहा है। अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत, कंपनी ने तीन प्रमुख स्थानों: लखनऊ, अकबरपुर और बनारस में भूमि का अधिग्रहण कर लिया है।

लखनऊ

अकबरपुर

बनारस

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में अधिग्रहण, व्यूनाऊ के लिए काफी महत्वपूर्ण है। यह परियोजना में मील का पत्थर साबित होगा। इसी तरह, समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत के लिए जाने जाने वाले बनारस (वाराणसी) और अकबरपुर शहरों में भूमि अधिग्रहण क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी की जरूरतों को पूरा करने के लिए आधारभूत ढांचा विकसित करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को पूरा करने में सहायक होगा।

व्यूनाऊ के निदेशक नितिन श्रीवास्तव के अनुसार, "लखनऊ, बनारस और अकबरपुर में भूमि अधिग्रहण पूरी तरह रणनीतिक है। तीनों स्थानों पर एज डेटा सेंटर बनाए जाएंगे। यह राज्य भर में 750 ईडीसी बनाने की कंपनी की मेगा परियोजना के लिए बिल्डिंग ब्लॉक की तरह हैं। ये आईटी सुपर हाईवे की तरह काम करेंगे जो कई शहरों और क्षेत्रों को जोड़ेंगे जिससे निर्बाध संचार और हाई स्पीड डेटा ट्रांसफर सुविधा मिलेगी। साल के अंत तक इन स्थानों पर डेटा सेंटर सेवाएं शुरू हो जाएंगी।" उन्होंने कहा कि कई अन्य स्थानों पर भी इसी तरह की अधिग्रहण प्रक्रिया चल रही है।

व्यूनाऊ क्षेत्र के समग्र विकास के लिए अपने आईटी नेटवर्क को मजबूत करने की ओर अग्रसर है। इससे तकनीकी प्रगति होगी जिससे प्रदेशभर में निवेश, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और आर्थिक विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनेगा।

व्यूनाऊ 2023 के 10 सर्वश्रेष्ठ क्लाउड स्टार्टअप्स में शामिल

व्यूनाऊ ग्रुप भारत के 10 सर्वश्रेष्ठ क्लाउड स्टार्टअप में शामिल हो गया है। यूएस-इंडिया बिजनेस मैगजीन सिलिकॉनइंडिया ने अपने प्रतिष्ठित '10 बेस्ट क्लाउड स्टार्टअप्स - 2023' अवार्ड से व्यूनाऊ ग्रुप को सम्मानित किया है।

यह प्रतिष्ठित पुरस्कार आईटी उद्योग में नए प्रयोग, उत्कृष्टता और परिवर्तनकारी समाधानों के लिए दिया जाता है। पुरस्कार की ज्यूरी ने कड़े मापदंड़ों का पालन करते हुए व्यूनाऊ का चयन किया। यह लक्ष्य के प्रति व्यूनाऊ की प्रतिबद्धता का एक और प्रमाण है।

व्यूनाऊ में, हमने हमेशा अपनी सीमाओं को लांघते हुए आईटी आधारभूत ढांचे के विस्तार करने का प्रयास किया है। सिलिकॉनइंडिया ने व्यूनाऊ के इन प्रयासों की सराहना की है। यह अत्याधुनिक समाधान बनाने के लिए हमारे उस समर्पण को दर्शाता है जिसमें हम डिजिटल युग में व्यवसायों को बढ़ने के लिए तकनीकी अवसर उपलब्ध कराते हैं।

एक सर्विस प्रोवाइडर के रूप में आईटी का आधारभूत ढाँचा तैयार करने में अपनी

मजबूत और अग्रणी स्थिति पर हमें गर्व है।

यह अवॉर्ड तकनीक के लोकतंत्रीकरण की हमारी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने की हमारी यात्रा का एक अन्य पड़ाव है। हम विकास के नए आयामों के लिए डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा दे रहे हैं और हमारा ध्यान उद्योगों को अग्रणी एज डेटा सेंटर समाधान और नेटवर्क प्रबंधन सेवाएं प्रदान करने के अपने मिशन पर केंद्रित हैं।

इस सराहना के लिए हम सिलिकॉनइंडिया के प्रयासों के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं। सर्वश्रेष्ठ स्टार्टअप्स की इस सम्मानित सूची में शामिल होना उत्कृष्टता की अपनी निरंतर यात्रा को जारी रखने में हमें प्रेरित करेगा। प्रौद्योगिकी के भविष्य को नया आकार देने के लिए हमारे प्रयास निरंतर जारी हैं।

व्यूनाऊ ग्रुप में बतौर सीएचआरओ शामिल हुए आयुष चौधरी

आयुष चौधरी

आईबीएम और श्नाइडर इलेक्ट्रिक में एचआर प्रमुख की भूमिका निभा चुके आयुष चौधरी व्यूनाऊ ग्रुप में शामिल हो गए हैं। उन्हें कंपनी के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी (सीएचआरओ) की जिम्मेदारी दी गई है। एचआर के अनुभवी और विशेषज्ञ आयुष ने लखनऊ विश्वविद्यालय से एचआर और आईआर में एमबीए किया है।

व्यूनाऊ के सीएचआरओ के रूप में उनकी भूमिका, ग्रुप में एचआर सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला में प्रभावी नेतृत्व प्रदान करने और नई रणनीतियों को लागू करने के साथ साथ ग्रुप के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए बहुमूल्य मानव संसाधन जुटाने की है। वह संगठनात्मक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए शीर्ष नेतृत्व के साथ मिलकर काम करेंगे।

आयुष का मजबूत प्रबंधकीय कौशल और व्यापक अनुभव उन्हें अपनी नई स्थिति के लिए उपयुक्त बनाता है। उनका लक्ष्य-उन्मुख और आकर्षक दृष्टिकोण प्रतिभा प्रबंधन, नेतृत्व विकास और कंपनी की मानव संसाधन रणनीति और संचालन को मजबूत करेगा। आयुष शीर्ष नेतृत्व के साथ मिलकर कंपनी में स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धी और विकासउन्मुख वातावरण विकसित करेंगे जो कंपनी के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सर्वश्रेष्ठ मानव संसाधन को आकर्षित करेगा।

क्या एलियन हमतक पहुंच जाएंगे ? - इस डर पर सोचना होगा

वी. सी. राय
व्यूनाऊ

जल्दी ही हम सभी के मोबाइल में 5 जी सिग्नल नजर आने वाला है। इससे डेटा ट्रांस्फर की रफ्तार बेहद तेज हो जाएगी लेकिन साथ ही इस बात की आशंका भी जाताई जा रही है कि इसकी वजह से शायद एलियंस पृथ्वी तक पहुंचने के लिए आकर्षित हो सकते हैं!

सभ्यता के विकास के साथ ही बेहतर भविष्य ने हमेशा हमें अपनी ओर आकर्षित किया है और अपने कल को और बेहतर बनाने के विचार के साथ हम नई नई तकनीक विकसित करते हुए आगे बढ़ते रहे हैं. भविष्य की इसी किरण का पीछा करते करते विकास का यह क्रम आज हमें 5जी तकनीक के मुहाने तक ले आया है.

ब्रॉडबैंड विकास का यह क्रम हमें ब्रह्मांड की अनंत गहराइयों तक संवाद करने के काबिल बना सकता है. संयुक्त शोध के तहत काम करने वाले मॉरीशस और मैनचेस्टर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने पाया कि मोबाइल फोन के बढ़ते उपयोग और रिमोट सेंसिंग की हमारी क्षमता परग्रही सभ्यता को अपने वजूद का अहसास कराने में सक्षम हो सकती है. स्पष्ट है कि यदि दुनिया भर से उत्सर्जित सभी विकिरणों को एक कल लिया जाए तो बहुत संभव है कि लाखों, करोड़ों प्रकाश वर्ष दूर मौजूद किसी सभ्यता तक भी यह विकीरण पहुंच सके. जैसा कि वैज्ञानिकों ने भविष्यवाणी की, यह इंसानों के ब्रम्हांड के एक ऐसे आयाम तक पहुंचाने का जरिया हो सकता है जिसकी अभी कल्पना ही की जा सकती है.

आने वाले वर्षों में, हमारे सिग्नल आउटपुट में तेजी से वृद्धि होना तय है. ऐसे में इस बात की काफी संभावना है कि ब्रम्हांड की अनंत गहराइयों में मौजूद किसी परग्रही सभ्यता तक भी एक दिन ये सिग्नल पहुंच जाएंगे. एक दिन उनका कोई रडार एंटीना धरती से निकलने वाले इन सिग्नलों को पकड़ने में कामयाब हो जाएगा. इन सिग्नलों का अंतर इतना स्पष्ट होगा कि इनके जरिए वह धरती के प्रक्रतिक और मानव निर्मित सिग्नलों में स्पष्ट रूप से अंतर कर सकेंगे और पृथ्वी पर मौजूद भौगोलिक स्थितियों को समझ सकेंगे. उन्हें आबादी के घनत्व और यहां तक कि पृथ्वी की सतह की संरचना का अहसास भी इन तकनीकी संकेतों के जरिए हो सकता है.

इस तरह के संचार को अक्सर मानव जाति के लिए एक खतरे के रूप में ही देखा जाता है, लेकिन इसका दूसरा महत्वपूर्ण पहलू ये भी है कि यदि ब्रम्हांड में कोई परग्रही सभ्यता या जीवन मौजूद है जो विकास क्रम में हमसे अधिक उन्नत है तो इस तरह का संचार ही अपनी मौजूदगी के संकेत साझा करने का माध्यम बनेगा. हमारे लौकिक पड़ोसियों के साथ यह संवाद की यात्रा शुरू करने की आधारशिला हो सकती है.

सोवियत खगोलशास्त्री निकोलाई कार्दाशेव ने 1964 में इसकी परिकल्पना की थी जिसमें उन्होंने एक किसी सभ्यता की तकनीकी प्रगति को मापने के लिए उसके ऊर्जा उत्सर्जन को पैमाना बनाया

था. इसे द कार्दशेव स्केल कहा गया था. निकोलाई ने उस समय 3 प्रकार की सभ्यताओं का उल्लेख किया था, जिन्हें अभी भी प्रमुख रूप से कई परिवर्धन और संशोधनों से अलग माना जाता है. इस स्केल के लॉगरिदमिक पैमाने के अनुसार पहली प्रकार की सभ्यता इतनी उन्नत होगी कि मेजबान तारे से मिलने वाली ऊर्जा का संपूर्ण उपयोग कर सकेगी, पृथ्वी के मामले में वह मेजबान सूर्य होगा, इस तरह उससे से मिलने वाली पूरी ऊर्जा का उपयोग करके अपने ग्रह की परिस्थियों को पूरी तरह नियंत्रित करने की योग्यता होगी. दूसरे प्रकार की सभ्यता के पास अपने ऊर्जा स्रोत तारे से मिलने वाली ऊर्जा को नियंत्रित करने की क्षमता होगी, मतलब सूर्य की संपूर्ण ऊर्जा का दोहन करने में सक्षम होने के साथ ही उसे सौर मंडल में स्थानांतरित भी कर सके, ऐसी सभ्यता के पास दूसरे ग्रहों और सौर मंडल के ब्रह्मांडीय पिंडों को नियंत्रित करने में भी सक्षम होगी. तीसरे स्तर पर सभ्यता पूरी आकाशगंगा से निकलने वाली ऊर्जा का उपयोग करने में सक्षम होंगी, इस स्तर पर सभ्यता की शक्ति की कल्पना करना कठिन होगा, तब इस ऊर्जा का इस्तेमाल अपने अस्तित्व को को अन्य आकाशगंगाओं तक फैलाने के लिए भी किया जाएगा. आज हम इनमें से पहले पायेदान पर भी नहीं पहुंचे हैं. हम इस पैमाने पर लगभग 0.7 के स्तर तक ही पहुंच पाए हैं. लेकिन जितनी ऊर्जा का दोहन हम कर रहे हैं उससे हम पहले पायेदान तक पहुंचने के करीब तेजी से बढ़ रहे हैं।

एक सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी मिचियो काकू ने प्रस्तावित किया कि आने वाले 100 से 200 वर्षों में मानव जाति इस स्थिति को प्राप्त करने में सक्षम हो सकती है, और आने वाले वर्षों में होने वाली यह छोटी सी बातचीत ब्रह्मांड में हमारे साम्राज्य के निर्माण की दिशा में एक छोटा कदम हो सकती है।

जैसा कि स्टीफन हॉकिंग ने भी कहा था,

"हमारी नियति सितारों में है, इसलिए अपने पैरों पर नीचे नहीं बल्कि सितारों को देखना याद रखें, जिज्ञासु बनें और आप जो देखते हैं उसे समझने की कोशिश करें और ब्रह्मांड के अस्तित्व के खुलासे आपको आश्चर्यचकित करते रहें. "

VueNow

CONNECT

+91-120-6870800

info@vuenow.in

816, 8th Floor, iThum Tower A
Sector 62, Noida, UP, India 201301

www.vuenowonline.com